

परिवर्तन शब्द की व्याख्या कीजिए।

(i) परावर्तन :- जब प्रकाश की किसी समतल सतह से टकराकर उली माध्यम में लौटकर आती है यह सिद्धा प्रकार का परावर्तन कहते हैं।
प्रकाशीय मापन यंत्रों में उपयोग की सिद्धा प्रकार के परावर्तन के निम्न निम्नो के अन्तर्गत होती है।

(1) टकराने वाली सतह या परावर्ती सतह के अभिलम्ब से परावर्तित किरण ही कोण बनाती है जितना कि आपतित किरण बनाती है।



(ii) आपतित किरण अभिलम्ब से परावर्तित किरण एक ही समतल में होता है।

(iii) यदि परावर्ती सतह को खिन्चि की भाँति ठोस कोण पर झुक जायेगा परन्तु आपतित किरण उसी स्थिति में रहेगी। इसलिए अभिलम्ब के सापेक्ष आपतन कोण उतनी ही मात्रा में झुक जायेगा तथा ठीक उतनी तर्ह परावर्तन कोण भी उतनी ही मात्रा में झुक जायेगा। इस तरह आपतित किरण और परावर्तित किरण में बीच का परिणामी मापन $(i+r) = 2i$ हो जायेगा।

अतः इसके दूरे दक्षिण के उपयोग से छोटी
कौणीय गतिपथ को अधिक मात्र में आवृत्ति
कर सकते हैं इसके शब्दों में छोटी से छोटी
कौणीय गति को अधिक मात्र में आवृत्ति
करने के लिए दक्षिण परावर्ती सतह को
सुझाया जाएगा /